

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उप खण्ड अधिकारी, पाली  
पीठासीन अधिकारी:- श्री रोहिताश्व सिंह तोमर (आई.ए.एस.)

राजस्व वाद संख्या 49/2010

वादी:-

1. तोलकी बेवा जोगा उम्र 70 वर्ष,
2. तेजाराम पुत्र स्वर्गीय जोगा उम्र 44
3. पपु पुत्र स्वर्गीय जोगा उम्र 40 वर्ष समस्त जातिगण सांसी, निवासीगण नयागांव पाली तहसील व जिला पाली

बनाम प्रतिवादीगण:-

1. श्री बाबुलाल पुत्र श्री रामा
2. श्री भगवानदास पुत्र श्री रामा
3. श्री महेन्द्र उर्फ प्रभु पुत्र श्री रामा
4. श्री भीमादेवी पुत्री श्री रामा
5. श्री शांति बेवा श्री मनोज कुमार
6. श्री परमेश्वर पुत्र श्री मनोज कुमार
7. श्री महावीर पुत्र श्री मनोज कुमार
8. श्री विक्रम पुत्र श्री मनोज कुमार समस्त जातिगण भील, निवासीगण भीलो का छोटाबास, सूरजपोल पाली तहसील व जिला पाली (राज.)
9. राजस्थान राज्य जरिये भूमिधारी तहसीलदार, पाली

उपस्थिति:-

1. वकील श्री अशोक अरोड़ा वादीगण
2. वकील श्री रजनीश राजपुरोहित, प्रतिवादी

वाद अंतर्गत धारा 88,92ए,188 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955

:-निर्णय:-

दिनांक 23.07.2019

1. वादी ने यह वाद प्रतिवादीगण के विरुद्ध धारा 88,92ए,188 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि पाली में नयागांव में खसरा नम्बर 547 बारानी अब्बल रकबा 100 बीघा भूमि स्थित है जिसमें 13 बीघा 15 बिस्वा भूमि जोगा पुत्र गोपा जी सांसी की खातेदारी भूमि है इस खसरा नम्बर 547 की भूमि में वादी के पिता जोगा पुत्र गोपा जी की 13 बीघा 15 बिस्वा भूमि स्थित थी जोगा पुत्र गोपा जी का स्वर्गवास हो चुका है उनकी मृत्यु की पश्चात् वादीगण विधिक उत्तराधिकारी विधिक वारिस है और जागा पुत्र गोपा जी के जीवनकाल में उनके साथ वादीगण का उस भूमि पर कब्जा काशत रहा और उनकी मृत्यु पश्चात् वादीगण का जागा पुत्र गोपा जी के हिस्सा 13 बीघा 15 बिस्वा भूमि पर लगातार कब्जा काशत है इस प्रकार यह भूमि वादी की पैतृक एवं पुश्तैनी कब्जा काशत शुदा भूमि है जो भूमि इस खसरा नम्बर 547 में पाली से सोजत जोने वाले रोड के डावी तरफ रेल्वे घुमटी के आगे रोड पर स्थित है जो 13 बीघा 15 बिस्वा भूमि ही इस वाद की विषय वस्तु है जिसे आगे वादग्रस्त कृषि भूमि के नाम से संबोधित किया जायेगा। आज भी वादग्रस्त कृषि भूमि पर एकमात्र वादी का ही कब्जा काशत है और वादीगण का बिज है। वादी के पिता जागा पुत्र गोपा जी सांसी जाति के थे और वादीगण भी उनकी पत्नि व पुत्र होने से सांसी जाति की है। जो अनुसूचित जाति में शुमार है और अनुसूचित जाति की कृषि भूमि गैर अनुसूचित जाति को कोई भी व्यक्ति जो चाहे अनुसूचित जन जाति अथवा स्वर्ण जाति को हो नहीं खरीद सकता है। पुर्णतह धारा 42 राजस्थान टिनेन्सी एक्ट के प्रावधानों के अनुसार प्रतिबंधित है। वादग्रस्त कृषि भूमि पूर्व में वादीगण के पति व पिता जोगा पुत्र गोपा जी सांसी की पुश्तैनी खतेदारी कब्जा काशत शुदा की थी उनकी मृत्यु उपरांत वादीगण को विरासत में उपर दर्ज अनुसार वादग्रस्त कृषि भूमि प्राप्त हुई है मौके पर कब्जा काशत केवल वादीगण का ही उसके पिता की मृत्यु से लगातार आज दिन तक चला आ रहा है। आज से 20-25 दिन पूर्व प्रतिवादी संख्या 1 से 8 वादग्रस्त कृषि भूमि पर आये और वादी को कहा कि वादग्रस्त कृषि भूमि को उनके पूर्वज रामाजी ने वादीगण के पति व पिता जागा पुत्र गोपा जी से खरीद कर की हुई है और उसके आधार पर रामाजी के नाम राजस्व रेकर्ड में दर्ज हुई और रामाजी के स्वर्गवास के पश्चात् उन्होंने वादग्रस्त कृषि भूमि अपने नाम दर्ज करवा ली है और वे मौका मिलते ही वादग्रस्त कृषि भूमि अपने नाम दर्ज करवा ली है और वे मौका मिलते ही वादग्रस्त कृषि भूमि पर कब्जा करेगे तक वादी गण ने प्रतिवादी संख्या 1 से 8 से निवेदन किया कि वादग्रस्त कृषि भूमि पुश्तैनी है और वे वादीगण और वादीगण के

सहायक कलेक्टर  
पाली

पति व पिता अनुसूचित जाति के व्यक्ति है और आप और आपके पूर्वज अनुसूचित जन जाति के व्यक्ति हो और आपके पूर्वज रामा जी को वादीगण के पति व पिता से यह भूमि खरीद करने का कोई अधिकार नहीं था इसलिए आप लोगों (प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को) वादग्रस्त कृषि भूमि जबरदस्ती बल जबरि पुलिस व लाठी के बल पर वादग्रस्त कृषि भूमि में प्रवेश पर कब्जा करके रहेगे। तब वादीगण ने इस बाबत पता किया तो प्रतिवादीगण के पूर्वज रामा के पक्ष में फर्जी कुटरचित बेचाणनामा निष्पादित होने और उस आधार पर रेवेन्यू रिकार्ड में प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के नाम होने की जानकारी पहली बार हुई। ऐसी स्थिति में प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को अपने उपरोक्त कृत्यों से रोका जाना नितान्त आवश्यक है। अन्यथा वादी के विधिक हक अधिकार प्रथम दृष्ट्या प्रभावित होंगे इस प्रकार सुविधा का संतुलन भी पूर्ण रूप से वादीगण के पक्ष में है। वादग्रस्त कृषि भूमि कभी भी वादीगण के पति व पिता जागा पुत्र गोपा जी ने प्रतिवादीगण के पूर्वज रामा जी को कभी भी रूप में बेचाण हस्तान्तरण नहीं की थी।


लेकिन रामा पुत्र वेनाजी जाति भील निवासी पाली तहसील व जिला पाली ने उपरोक्त मेनडेटरी प्रावधानों के विपरीत उपरोक्त वादग्रस्त कृषि भूमि जागा पुत्र गोपा जी से फर्जी रूप से कुटरचित एवं फर्जी दस्तावेज के आधार पर खरीद करना बताया है फॉर द सेक ऑफ द आरग्युमेन्ट उक्त बेचाणनामा सही होना मान भी लिया जावे तो भी विधिक रूप से उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र का दस्तावेज शून्य दस्तावेज है और उनसे प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को कोई हक, हकूक अधिकार भी उत्पन्न नहीं होते हैं न ही उनसे प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को कोई स्वत्व हक हकूक अधिकार भी प्राप्त होते हैं लेकिन प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 ने गलत रूप से दस्तावेज पंजीयन करवाकर उनके आधारों पर राजस्व रेकॉर्ड में म्युटेशन संख्या 482 दिनांक 15.11.1976 के द्वारा उक्त वादग्रस्त कृषि भूमि का रामा पुत्र वेनाजी जाति भील के नाम अमलदरामद करवा दिया। उक्त राजस्व रेकॉर्ड में किये गये इन्द्राज भी विधिक रूप से शून्य है क्योंकि अनुसूचित जाति की कृषि भूमि अनुसूचित जन जाति का व्यक्ति भी विधिक रूप से नहीं खरीद सकता है और जागा पुत्र गोपा जी अनुसूचित जन जाति का व्यक्ति था इसलिए प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के पूर्वज रामा जी उक्त वादग्रस्त कृषि भूमि खरीद करने हेतु विधिक रूप से प्रतिबंधित होने से भी उक्त दस्तावेज के आधार पर प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को कोई हक हकूक अधिकार प्राप्त नहीं होते हैं न ही प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 वादग्रस्त कृषि भूमि का कब्जा प्राप्त करने के अधिकारी है। जोगा पुत्र गोपा जी उक्त तथाकथित फर्जी कुटरचित बेचाण नामा निष्पादित होने के समय अनुसूचित जाति में शुमार था और प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के पूर्वज रामाजी भील जाति के होने से अनुसूचित जन जाति में शुमार थे और आज भी वादीगण अनुसूचित जाति में शुमार है और प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 अनुसूचित जन जाति में शुमार है।

प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के पूर्वज रामा जी के पक्ष में निष्पादित तथाकथित फर्जी कुटरचित विक्रय विलेख वे गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति होने से अनुसूचित जन जाति के व्यक्ति होने से उक्त विक्रय विलेख शून्य है और शून्य दस्तावेज के आधार पर राजस्व रेकॉर्ड में किये गये इन्द्राज भी शून्य है और राजस्व रेकॉर्ड में शून्य दस्तावेज के आधार पर जो रामाजी के नाम म्युटेशन संख्या 482 भरा गया वह भी शून्य है और म्युटेशन संख्या 482 के आधार पर रामाजी की मृत्यु के पश्चात म्युटेशन संख्या 1361 जो भरा गया और उसके आधार पर प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के नाम राजस्व रेकॉर्ड में जो इन्द्राज किये गये वे इन्द्राज भी शून्य है इसके अलावा भी विधिक व्यवस्था के अनुरूप प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 को वादग्रस्त कृषि भूमि में प्रवेश करने वादीगण के कब्जा काशत उपभोग में दखलअंदाजी करने का कोई हक हकूक अधिकार नहीं है और उनसे उनको रोका जाना नितान्त आवश्यक है। अन्यथा वे संख्या, बाहुबल, पैसे प्रभाव में वादी की तुलना में ज्यादा मजबूत है और वे वादी के वादग्रस्त कृषि भूमि में कब्जा काशत उपभोग में दखलअंदाजी करेंगे जिससे वादी को अशोधनीय क्षति होगी जिसका मुल्यांकन मुद्रा में भी संभव नहीं है क्योंकि वादग्रस्त कृषि भूमि है वादी के पति व पिता की मृत्यु उपरान्त भी वादीगण का कब्जा काशत है। शून्य दस्तावेज के आधार पर वादग्रस्त कृषि भूमि के सम्बन्ध में जो इन्द्राजात प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 से पूर्वज रामाजी के पक्ष में और प्रतिवादीगण संख्या 1 से 8 के पक्ष में किये गये उन इन्द्राजात को हटाया जावे और वादग्रस्त कृषि भूमि वादी के नाम दर्ज की जावे एवं वादीगण की खातेदारी की होने से घोषणा की जावे एवं वाद के विचारण के दौरान यदि प्रतिवादीगण वादीगण को वादग्रस्त भूमि से बेदखल कर देते हैं तो वादग्रस्त भूमि का कब्जा पुनः वादी को दिलाया जावे वादीगण को वादग्रस्त भूमि का खातेदार घोषित किया फरमावे।


सहायक कलेक्टर  
पाली

2. वाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर बहस सुनी गयी श्रीमान जिला कलेक्टर द्वारा पारित निर्णय का अवलोकन किया गया जिससे यह सिद्ध होता है कि प्रतिवादी संख्या 3 व 5 की पहले से ही मृत्यु हो रखी है। इसके बावजूद उनके विरुद्ध यह दावा लाया गया है। वादी द्वारा मृतको के कायम मुकाम पुत्र, पुत्री, पत्नि को संयोजित नहीं किया है अतः पक्षकारों के असंयोजन के कारण दावा चलने योग्य नहीं पाया जाता है।

3. उपरोक्त समस्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए दावा मृतक व्यक्तियों के विरुद्ध होने, मृत खातेदारों के कायम मुकाम के पक्षकार संयोजित नहीं करने तथा दावा तकनीकी आधार पर प्रतिवादीगण के विरुद्ध यह वाद खारिज किया जाता है तथा वादी नये सिरे से वाद पेश करने हेतु स्वतंत्र है।

  
सहायक कलेक्टर  
पाली (राज.)

यह आदेश आज दिनांक 23-07-2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
सहायक कलेक्टर  
पाली (राज.)